Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to give Scheduled Tribes status for Gorkha community.

श्री जॉन बर्ला (अलीपुरद्वारस): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को अवगत कराना चाहता हूँ कि उत्तर बंगाल डुवर्स, तराई एंव दार्जिलिंग क्षेत्र आदिवासी एवं गोरखा के साथ-साथ अन्य समुदाय के लोग यहां एकता से सदियों से रह रहे हैं। लेकिन आज भी इस क्षेत्र में रहने वाले लोग सामाजिक, आर्थिक रूप से काफी पिछड़े हुए हैं।

इस क्षेत्र में रहने वाले गोरखा समुदाय के 11 जाति समुदाय को जनजाति अर्थात एसटी का दर्जा देने की मांग काफी वर्षों से उठ रही है। 11 गोरखा जाति - राई, खस, थामी, भुजेल, नेवार, जोगी, देवान, सुनवार, गुरूंग, मंगर, धिमाल जाति को जनजाति में शामिल करने की बात कई वर्षों से चली आ रही है। इसके अलवा आदिवासी समुदाय की कुछ जाति समुदाय को भी जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग मैं सदन में रख रहा हूँ। आदिवासी समुदाय के नाई, बराईक, घटवार, कुर्मी, लोहार, मेहर, पाईक, कवर रौतिया, रविदास, भोक्ता, गोंद, नागेसिया को भी एसटी का दर्जा मिलना चाहिए।

सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक रूप से पिछड़ी इन जातियों को केंद्रीय सूची में जनजाति में मान्यता मिलने से क्षेत्र के लोगों के आर्थिक, सामाजिक जीवन में व्यापक परिवर्तन एंव जीवनस्तर में काफी सुधार आने की उम्मीद है।

अत: आपके माध्यम से आग्रह है कि एसटी का दर्जा एवं डुवर्स, तराई पहाड़ के गोरखाओं के लिए स्थायी राजनीतिक समाधान जल्द से जल्द निकाल जाए।

माननीय सभापति : श्री राजू बिष्ट एवं

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री जॉन बर्ला द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।